

हैं। ख्र.४०० न ख्रुट्ट, रज्ये प्रायम् प्रम्य प्रायम् प्रम्य क्ष्या क्ष्

ष्पर्।	মৰ্ক্তব্য	श्रेट्रावृद्ध्यद्	स्या हिर अर।	ईव् वर्ग
1.	नक्ष्रव वहें व केंग्र क्षेत्र	04	LN009	300 ²
2.	धे:वेश:न्नर:क्रॉ	233	LN010	300 ²
3.	ন:প্রম্প্রম	اع ا	LN011	300 ²
4.	धेःवेशः द्वरः व्या	90	LN012	3002